

विपक्ष के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की

■ खड़गे ने बताया कि राष्ट्रपति ने सबूत मांगे और कार्रवाई का भरोसा दिया

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध पदार्शन में ममता बनर्जी शामिल हुई

वैटरनरी विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य एवं कैंसर के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

लुधियाना, 09 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत)

गुरु अंगद देव वैटरनरी एंड एनिमल साइंसेज यूनिवर्सिटी, लुधियाना के विद्यार्थी कल्याण निदेशालय ने 'गुरु गोबिंद सिंह स्टडी सर्कल'(वैटरनरी विश्वविद्यालय इकाई) तथा 'केन फाइट कैंसर'(सी.एफ.सी.) सोसायटी, लुधियाना के सहयोग से महिलाओं के स्वास्थ्य एवं कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यक्रम और विचार-विमर्श सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कैंसर की रोकथाम, प्रारंभिक अवस्था में इसकी पहचान तथा उपशामक देखभाल (पैलिएटिव केयर) के प्रति जागरूकता पैदा करना था। कार्यक्रम में लगभग 150 छात्राओं, महिला शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. जतिंदर पाल सिंह गिल, वाइस चांसलर तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती पवनजीत कौर गिल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। डॉ. गिल ने बीमारियों से बचाव के लिए स्वास्थ्य देखभाल, कैंसर के प्रति जागरूकता तथा बीमारी की प्रारंभिक अवस्था में पहचान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के लिए आयोजकों और चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा किए जा रहे संयुक्त प्रयासों की सराहना की।

तकनीकी सत्रों के दौरान, क्लाउडनाइन अस्पताल, लुधियाना की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.



कनुप्रिया जैन ने 'महिलाओं में होने वाले सामान्य कैंसर-रोकथाम एवं प्रारंभिक पहचान' विषय पर जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ समय पर चिकित्सा सहायता प्राप्त करने के महत्व को रेखांकित किया। दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, लुधियाना के कैंसर विशेषज्ञ डॉ. कुणाल जैन ने उपशामक देखभाल (पैलिएटिव केयर) तथा कैंसर रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में इसकी भूमिका पर चर्चा की। सोसायटी के सचिव श्री जगजीत सूद ने संस्था, इसकी विभिन्न गतिविधियों तथा कैंसर के कठिन चरणों में रोगियों को सहायता प्रदान करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी। श्रीमती पवनजीत कौर गिल ने कैंसर से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए तथा बीमारी से उबरने की प्रक्रिया में परिवार के सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता और सामूहिक प्रयासों की

आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने महिलाओं को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने, समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने तथा जागरूकता अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. जसपाल सिंह हुंदल विद्यार्थी कल्याण निदेशक ने कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य समाज का एक बहुत खास पहलू है क्योंकि महिलाओं के स्वास्थ्य से ही परिवार और समाज की ज़िंदगी आसानी से चल सकती है। उन्होंने कहा कि वैटरनरी यूनिवर्सिटी इस महत्व को समझती है और इसलिए ऐसी कोशिशें की जाती हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. वनीत इंदर कौर, डॉ. निधि शर्मा और डॉ. सरबजीत कौर के संयुक्त प्रयासों से किया गया। यह पहल स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने, सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और कर्मचारियों के समग्र कल्याण को सुदृढ़ करने के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

'हर शुक्रवार डेंगू पर वार': सिविल सर्जन द्वारा पुलिस चौकी की चैकिंग

साहिबजादा अजीत सिंह नगर, 09 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत)

स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेंगू की रोकथाम के लिए चलाई गई 'हर शुक्रवार डेंगू पर वार' मुहिम के तहत आज सिविल सर्जन डॉ. संगीता जैन की अगुवाई में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा फेज 6 सिविल अस्पताल में पड़ती पुलिस चौकी की अचानक चैकिंग की गई और स्टाफ को डेंगू के प्रति जागरूक किया गया।

इस चैकिंग के दौरान स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम, जिसमें डॉ. परमिंदरजीत सिंह एस एम ओ,

किसी भी जगह पानी जमा न होने देने की अपील



जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. आनामिका सोनी भी हाजिर थीं, द्वारा थाने के विभिन्न हिस्सों की बारीकी से जांच की गई। टीम ने थाना कॉम्प्लेक्स अंदर पानी के जमा होने वाली संभावित जगहों, जैसे कुलों,

चाहिए। उन्होंने पुलिस मुलाजिमों और हाजिर स्टाफ को अपील की कि हर शुक्रवार को 'ड्राई डे' के तौर पर माना जाए और सभी ऐसी जगहों को साफ और सूखा रखा जाए जहां मच्छरों के पलने का खतरा हो। जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. आनामिका सोनी ने भी डेंगू के लक्षणों और इससे बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी साझा की। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा चौकी स्टाफ को स्वास्थ्य सलाहों का पालना करने और डेंगू के खिलाफ इस लड़ाई में प्रशासन का साथ देने की अपील की गई।

त्यौहारों को मुख्य रखते हुए मोहाली पुलिस द्वारा अनोखी पहल, दुकानदारों और मार्केट एसोसिएशन के नेताओं के साथ किया विचार-विमर्श

साहिबजादा अजीत सिंह नगर, 9 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत)

डी जी पी पंजाब और डी आई जी रोपड़ रेंज के दिशा-निर्देशों तहत एस एस पी एस ए एनगर श्री वरुण शर्मा, आई पी एस की अगुवाई में मोहाली पुलिस द्वारा त्यौहारों के मद्देनजर लोगों की सुरक्षा, सुचारू ट्रैफिक प्रबंध और बाजारों में सुखद माहौल को यकीनी बनाने के लिए अनोखी पहल की गई।

इस तहत एस पी सिटी मोहाली



दिलप्रीत सिंह द्वारा दुकानदारों और मार्केट एसोसिएशन के नेताओं के साथ विचार-विमर्श करते हुए उनकी समस्याएं और सुझाव सुने गए। इस मौके पर बाजारों में सुरक्षा प्रबंधों, पार्किंग, ट्रैफिक, भीड़-भाड़

और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए मोहाली पुलिस द्वारा पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। साथ ही दुकानदारों द्वारा सामने लाई गई जायज समस्याओं का पहल के आधार पर हल करने के लिए संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। मोहाली पुलिस द्वारा लोगों और व्यापारियों के साथ बेहतर तालमेल के जरिए त्यौहारों के दौरान सुरक्षित और सुखद माहौल यकीनी बनाने के लिए हर संभव यत्न किया जा रहा है।

खाई स्कूल में अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, पीटीएम समारोह का आयोजन

पैगाम-ऐ-जगत/रतिया, 9 अक्टूबर (एडवोकेट गुरप्रीत सिंह मंडेर)

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, खाई में अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित करने के साथ अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं के अभिभावकों को परीक्षा परिणाम की जानकारी दी गई तथा उनकी शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा की गई।

विद्यालय के प्राचार्य अबनीश गर्ग ने उपस्थित अभिभावकों का स्वागत करते हुए अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धियों, नियमित अध्ययन और सर्वांगीण विकास में विद्यालय तथा अभिभावकों की संयुक्त भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। विद्यालय के छात्रावास की वार्डन मैडम



महेशी ने छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं, व्यवस्थाओं तथा छात्राओं की देखभाल के संबंध में अभिभावकों को विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर अभिभावकों ने विद्यालय तथा शैक्षणिक एवं छात्रावास संबंधी व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने व्यवस्थाओं के प्रति

संतोष जताते हुए विद्यालय के प्रयासों की सराहना की। समारोह में साहित्यकार डॉ. नैब सिंह मंडेर, प्रवक्ता कंवरजीत सिंह, बनवारी लाल, सोनू गर्ग, घनश्याम नापा, शोनु रानी, सरिता, सीमाबती, नीशू रानी एवं अमनप्रीत कौर सहित अन्य उपस्थित रहे।

पेज एक का शेष

वोट चोरी के...

उन्होंने मतदाता सूची की विशेष संशोधन प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। इस बीच, पुलिस ने राहुल गांधी सहित कई नेताओं को हिरासत में भी लिया था। विपक्षी दलों ने शुरू में राष्ट्रपति भवन तक मार्च करने की योजना बनाई थी; हालांकि, राष्ट्रपति से मिलने का समय मिलने के बाद मार्च रद्द कर दिया गया। विपक्ष चुनाव आयोग के कामकाज और मतदाता सूची के संशोधन से जुड़ी अपनी आपत्तियों पर कार्रवाई की मांग कर रहा है।

पंजाब सरकार ने...

याचिका दायर कर पंजाब में एक्टिंग डी.जी.पी. रखने की लंबे समय से चली आ रही व्यवस्था को चुनौती दी थी। 1 अक्टूबर को, चीफ जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की डिवीजन बेंच ने पंजाब सरकार को रेगुलर डी.जी.पी. की नियुक्ति के संबंध में उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया था। हाई कोर्ट ने चीफ सेक्रेटरी च.क. सिन्हा को भी निर्देश दिया था कि वे 13 अक्टूबर को होने वाली अगली सुनवाई तक इस मामले के अनुपालन के संबंध में कोर्ट में हलफनामा दाखिल करें। गौरव यादव जुलाई 2022 से

लगातार एक्टिंग डी.जी.पी. के तौर पर काम कर रहे हैं। वे 30 अप्रैल, 2029 को रिटायर होंगे। गौरतलब है कि पंजाब सरकार पर रेगुलर डी.जी.पी. नियुक्त करने का लगातार दबाव था। पंजाब को लगभग चार साल बाद एक नियमित डी.जी.पी. मिला है।

भारतीय मूल की... से सुलझाने, शक्तिशाली देशों और व्यक्तिगतों को जवाबदेह उठराने और पीड़ितों की सुरक्षा करने में अंतरराष्ट्रीय कानून के महत्व को उजागर करता है।

मक्खी मारने के...

'हर नागरिक के लिए हम जिस एक बहुत महत्वपूर्ण सिद्धांत का पालन करते हैं, वह आनुपातिकता का सिद्धांत है। आपको कुछ चीजों को रोकना है। उन्हें रोकने के लिए उतने ही कदम उठाएं, जितने जरूरी हों। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मक्खी मारने के लिए दमघोड़े का इस्तेमाल किया जाए। इस सिद्धांत को ध्यान में रखना होगा।'

जंतर-मंतर के...

सौरव दास ने 7 अक्टूबर को आवेदन जमा किया था। हालांकि, नियमों के अनुसार जंतर-मंतर पर किसी भी कार्यक्रम के लिए आवेदन कम से कम 10 दिन पहले जमा करना जरूरी है। पुलिस के अनुसार, पार्टी पहले भी कानूनी

निर्देशों का पालन करने में नाकाम रही है; इसलिए शहर की सुरक्षा, ट्रैफिक और कानून-व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए विरोध प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी गई।

उत्तर रेलवे ने...

अलग-अलग ब्रूटिन के जरिए, नॉर्डन रेलवे ने रद्द ट्रेनों की कुल संख्या-जिसमें आने-जाने वाली मेल, एक्सप्रेस और लोकल पैसेंजर ट्रेनें शामिल थीं-को 250 से ज्यादा कर दिया। ट्रेनों के रद्द होने को लेकर फैली उलझन और अफरातफरी को देखते हुए, रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, 'हम सभी यात्रियों को सलाह देते हैं कि वे अपनी ट्रेनों का स्टेटस जानने के लिए रेलवे हेल्पलाइन पर कॉल करें।' उन्होंने कहा कि यह संख्या और बढ़ सकती है, क्योंकि ट्रेनों के स्टेटस का लगातार आकलन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री मान ने...

मेहमाननवाजी का यादगार अनुभव मिले। उन्होंने जोर दिया कि तैयारियां सिर्फ स्टेडियम तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए; बल्कि पूरे शहर में साफ-सफाई, सुंदरता और सार्वजनिक सुविधाओं पर भी खास ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने जलंधर और मोहाली नगर निगमों को व्यापक साफ-सफाई अभियान शुरू करने, साफ-सफाई के मानकों को बेहतर बनाने

एसडीएम ने रतिया अनाज मंडी का किया निरीक्षण, धान की लिफ्टिंग में तेजी लाने के लिए निर्देश

पैगाम-ऐ-जगत/रतिया, 9 अक्टूबर (एडवोकेट गुरप्रीत सिंह मंडेर)

रतिया अनाज मंडी में धान खरीद कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने तथा किसानों को फसल बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके मद्देनजर एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने अनाज मंडी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में चल रही धान खरीद प्रक्रिया, खरीद एजेंसियों की कार्यप्रणाली तथा खरीदे गए धान की लिफ्टिंग की स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों और खरीद एजेंसियों के प्रतिनिधियों से खरीद कार्य की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए कि मंडी में खरीदे जा चुके धान का उठान तेज गति से



सुनिश्चित किया जाए, ताकि मंडी में फसल के ढेर अधिक समय तक जमा न रहें। उन्होंने कहा कि धान की खरीद के साथ-साथ उसकी लिफ्टिंग भी निर्धारित समय पर होना जरूरी है। इससे मंडी में जगह उपलब्ध रहेगी और किसानों को अपनी फसल लेकर आने में सुविधा होगी।

लुधियाना के ब्रेन स्ट्रोक पेशेंट को लिवासा अस्पताल में सफल मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी से मिला नया जीवन

लुधियाना, 9 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत)

लुधियाना के 56 वर्षीय ब्रेन स्ट्रोक पेशेंट को लिवासा अस्पताल, मोहाली में सफल मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी से नया जीवन मिला। इस आधुनिक प्रक्रिया की मदद से मरीज को जानलेवा न्यूरोलॉजिकल आपात स्थिति से उबरने में मदद मिली।

शुक्रवार को लुधियाना के होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जानकारी देते हुए डायरेक्टर-न्यूरो एवं स्पाइन सर्जन और हेड न्यूरो-इंटरवेंशन- लिवासा अस्पताल मोहाली, डॉ. वीनीत सगगर ने बताया कि समय पर इलाज और स्ट्रोक के आधुनिक उपचार में हुई प्रगति से मरीजों की जान बचाई जा सकती है।

मरीज को स्ट्रोक के लक्षण दिखाई देने के बाद लिवासा अस्पताल लाया गया था। विस्तृत इमेजिंग जांच में मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति करने वाली एक प्रमुख रक्त वाहिका में रुकावट का पता चला। स्ट्रोक की गंभीरता और मरीज की चिकित्सकीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए,



डॉक्टरों की टीम ने मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी करने का निर्णय लिया।

इस प्रक्रिया में एक विशेष उपकरण को रक्त वाहिकाओं के भीतर से गुजारकर रुकावट वाली जगह तक पहुंचाया जाता है और मस्तिष्क में रक्त प्रवाह को बाधित करने वाले खून के थक्के को बाहर निकाल दिया जाता है।

डॉ. सगगर ने आगे कहा कि बड़ी रक्त वाहिकाओं में रुकावट के कारण होने वाले स्ट्रोक के चुनिंदा मरीजों के उपचार में मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी ने महत्वपूर्ण बदलाव लाया है। उन्होंने कहा, 'स्ट्रोक एक मेडिकल इमरजेंसी है,

सरकारी स्कूल में नेत्रदान दिवस मनाया; 85 बच्चों के नेत्रों की हुई जांच

पैगाम-ऐ-जगत/अंबाला 9 अक्टूबर (आर.सिंह)

सिवल अस्पताल अंबाला के नेत्र विभाग की टीम डॉ. जुगिंदर सिंह की अगुवाई में सरकारी सी.से.स्कूल खुबु कलां पहुंची और 85 बच्चों के नेत्रों की जांच की। इनमें से 14 ऐसे बच्चे थे जिनकी आंखों में कोई न कोई दोष था और उन्हें पढ़ने में दिक्कत आ रही थी। इन बच्चों को आई ड्रॉप दिए गए और चश्मे भी दिए जा रहे हैं।

मौके पर मौजूद डॉ. जुगिंदर सिंह ने बताया कि भारत में कॉर्निया (आंख की पुतली) से संबंधित अंधेपन की समस्या को हल करने और मौजूदा बकाया केसों को



निपटाने के लिए सालाना अंदाज़न 2 लाख आंखों के दान की जरूरत है। लगभग 12 से 12.5 लाख लोग कॉर्निया से संबंधित अंधेपन से पीड़ित हैं।

कॉर्निया से संबंधित अंधेपन के लगभग 25,000 से 30,000 नए

अंधापन सर्वेक्षण' सर्वे के अनुसार देश में लगभग 50 लाख व्यक्ति अंधे हैं और 3.4 करोड़ व्यक्ति नजर की कमजोरी से पीड़ित हैं। मोतियाबिंद के कारण होने वाले अंधेपन को खत्म करने के लिए हर साल 67 लाख से 90 लाख मोतियाबिंद के ऑपरेशनों की जरूरत होती है। डॉ. जुगिंदर सिंह ने बताया कि भारत में दो लाख आंखों की जरूरत है जबकि हादसों में मरने वालों की संख्या भी साल में दो लाख ही आती है इसलिए हादसे में मरने वालों या लावारिस वारिस के जरिए यह कमी पूरी की जा सकती है और इसलिए सरकार को कोई नियम बनाने चाहिए।

घर-दुकान की सुरक्षा में न बरतें लापरवाही और सदिग्ध गतिविधियों पर रखें नजर : एसपी विनोद कुमार

पैगाम-ऐ-जगत हांसी (दिनकर गावड़ी)

पुलिस अधीक्षक हांसी विनोद कुमार ने आमजन से अपील की है कि वे अपने घरों, दुकानों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें। थोड़ी-सी लापरवाही चोरों की सड़क का मोका दे सकती है, इसलिए समय रहते सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करना बेहद जरूरी है। घर से बाहर जाते समय सभी दरवाजों, खिड़कियों और तालों की अच्छी तरह जांच करें। घर में अधिक नकदी और कीमती सामान रखने से बचें। लंबे समय के लिए बाहर जाने पर किसी विश्वसनीय पड़ोसी, पुलिस या रिश्तेदार को इसकी जानकारी दें। घर की चाबी किसी अज्ञान व्यक्ति को न सौंपें और सोशल मीडिया पर घर खाली होने की जानकारी

• हांसी पुलिस की एडवाइज़री, चोरी की घटनाओं से बचने के लिए आमजन से सतर्क रहने की अपील

सार्वजनिक न करें। एसपी विनोद कुमार ने कहा कि घरों, दुकानों, गोदामों और अन्य प्रतिष्ठानों पर अच्छी गुणवत्ता के CCTV कैमरे लगवाएं। कैमरों की दिशा ऐसी रखें कि मुख्य दरवाजे और आने-जाने वाले रास्तों की गतिविधियां स्पष्ट रूप से रिकॉर्ड हो सकें।

CCTV कैमरों की नियमित जांच करें और रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखें। घर व दुकान के आसपास पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। मकान मालिक अपने किरायेदारों और घरेलू सहायकों का पुलिस

सत्यापन अवश्य करवाएं। घर या दुकान के आसपास कोई सदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई देने पर सतर्क रहें और तुरंत पुलिस को सूचना

देने पर सतर्क रहें और बंद करते समय नकदी, आभूषण और अन्य कीमती सामान सुरक्षित स्थान पर रखें। शटर, ताले और सुरक्षा उपकरणों की जांच करने के बाद ही दुकान बंद करें। संभव हो तो सुरक्षा अलार्म जैसे अतिरिक्त उपकरणों का भी उपयोग करें। चोरी

की किसी भी घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। घटनास्थल पर मौजूद वस्तुओं को अनावश्यक रूप से न छुएं, ताकि पुलिस टीम साक्ष्य जुटा सके। सतर्कता बरतें, सुरक्षा के इंतजाम मजबूत रखें और किसी भी सदिग्ध गतिविधि की अनदेखी न करें।



पंजाब एफ.सी. ने आई.एस.एल. 2026-27 सीजन के लिए टीम का ऐलान किया, अकादमी के 10 खिलाड़ियों को मिली जगह

चंडीगढ़, 9 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत)

पंजाब एफ.सी. ने इंडियन सुपर लीग (आई.एस.एल.) 2026-27 सीजन के लिए अपनी 27 मंबरी टीम का ऐलान कर दिया है। टीम में तजुर्बेकार खिलाड़ियों के साथ अकादमी से उभरे 10 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो घरेलू प्रतिभा को निखारने प्रति क्लब की वचनबद्धता को दर्शाता है। शेर अपनी आई.एस.एल. मुहिम की शुरुआत बुधवार, 14 अक्टूबर को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ओडिशा एफ.सी. विरुद्ध घरेलू मैच के साथ करेंगे।

मजबूत भारतीय खिलाड़ियों और सोच-समझ कर शामिल किए गए नए खिलाड़ियों के सुमेल के साथ पंजाब एफ.सी. अपने चौथे



आई.एस.एल. सीजन के लिए तैयार है। टीम की चोन इस तरह की गई है कि वह मुकाबले में मजबूती से उतरने के साथ-साथ खिलाड़ियों के विकास प्रति क्लब की वचनबद्धता को भी कायम रखे।

क्लब के साथ अपने पहले सीजन में मुख्य कोच पावलोस डरमिज़ाकिस ने ऐसी टीम चुनी है,

जिसमें पुराने खिलाड़ियों की निरंतरता के साथ हर विभाग में नए विकल्प भी मौजूद हैं। पिछले सीजन की आई.एस.एल. टीम के 14 खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है। इनमें भारतीय राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी बिजोय वर्मा, रिक्की शावॉग, मोहम्मद उवैस, निखिल प्रभू और मोहम्मद सुहेल एफ के

साथ अरशदीप सिंह, खंमिथांग लुंगडिम और लियोन आगस्टीन शामिल हैं।

पैट्रिक बहानाक, मिकेल मालसा, डिएगो रापोसो, अल्फ्रेड प्लानास मोया और राफेल मेसी बॉली टीम में शामिल विदेशी खिलाड़ी हैं। टीम में नए भारतीय खिलाड़ियों मोहम्मद इनाम और गुरकीरत सिंह को भी जगह दी गई है। टीम में अकादमी से उभरे 10 खिलाड़ी शामिल हैं, जो पिछले सीजन के मुकाबले तीन अधिक हैं। उम्र वर्ग की लोगों और हाल ही में समाप्त हुए आई.एफ.ए. शील्ड में उनके प्रदर्शन के आधार पर इन खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली है। आई.एफ.ए. शील्ड में शेरों ने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

डीएसपी शहर श्री राजीव कुमार.एचपीएस ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि गांव उपली निवासी जसपाल सिंह पुत्र जसवंत सिंह ने थाना घरौंडा में शिकायत देकर अपने घर से सोने के आभूषण चोरी होने की सूचना दी थी। घर से कीमती सोने के आभूषण चोरी होने की शिकायत की गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और चोरी



की वारदात में शामिल आरोपियों की पहचान करने तथा चोरीशुदा संज्ञित बरामद करने के लिए प्रयास तेज किए।

शिकायत के आधार पर थाना घरौंडा में दिनांक 06 अक्टूबर 2026 को संबंधित थाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस अधीक्षक करनल के दिशा-निर्देशन में मामले की जांच करते हुए विभिन्न तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश की गई, मामले की जांच के दौरान सीआईए-3 प्रभारी निरीक्षक संदीप सांगवान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को काबू किया तथा एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया।

गिरफ्तार आरोपियानकी पहचान हर्षप्रित पुत्र तरणजीत निवासी गांव

उपली, थाना घरौंडा व मनदीप तशाम पुत्र पवन कुमार निवासी गांव रसिन, थाना मधुवन जिला करनल के रूप में हुई है।

सीआईए-3 की टीम ने आरोपियों से पूछताछ एवं मामले की जांच के दौरान चोरी किए गए 30 तोले सोने के आभूषण बरामद किए है। पुलिस द्वारा मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है, ताकि चोरी की वारदात से संबंधित सभी तथ्यों का पता लगाया जा सके और यदि अन्य किसी व्यक्ति को संलिप्तता सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।

पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड प्राप्त करने की प्रक्रिया की जाएगी। रिमांड के दौरान

आरोपियों से चोरी की वारदात से संबंधित तथ्यों, चोरीशुदा संपत्ति तथा मामले में अन्य संभावित आरोपियों की संलिप्तता के संबंध में गहन पूछताछ की जाएगी।

वहीं, मामले में अभिरक्षा में लिए गए नाबालिग को नियमानुसार कार्रवाई करते हुए बाल सुधार गृह, जिला अंबाला भेज दिया गया है।

जिला पुलिस करनल द्वारा चोरी, लूट तथा अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का उद्देश्य आपराधिक वारदातों पर अंकुश लगाना, अपराधियों की पहचान कर उन्हें कानून के दायरे में लाना तथा आमजन की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

जिला पुलिस करनल आमजन से अपील करती है कि अपने घरों में रखे कीमती सामान एवं आभूषणों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें। घर को लंबे समय तक खाली छोड़ने की स्थिति में विशेष सतर्कता रखें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या चोरी की घटना की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

पराली न जलाने वाले किसानों को मिलेगी प्रोत्साहन राशि : लक्षित सरीन

पैगाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)

धान की पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम करने तथा किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला सचिवालय के वीसी सभागार में अतिरिक्त उपायुक्त एवं जिला नगर आयुक्त लक्षित सरीन की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में एसडीएम राजेश खोथ, नारनौंद के एसडीएम विकास यादव, डीडीपीओ संदीप भारद्वाज, एसडीओ डॉ रविंद्र खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी अशोक मेहरा,राजसिंह सहित विभिन्न गांवों के सरपंच तथा ग्राम सचिव उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को निर्देश दिए गए कि वे किसानों को पराली न जलाने के लिए जागरूक करें और फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन सुनिश्चित कराया।

अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने कहा कि पराली जलाने से न केवल वायु प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि खेतों की उपजाऊ शक्ति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इससे मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीव नष्ट होते हैं, मिट्टी की उर्वरता कम होती है और फसलों की उत्पादकता प्रभावित होती है। पराली के धुएं से आसपास के लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए किसान पर्यावरण संरक्षण और अपनी भूमि की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए पराली जलाने से बचें

● अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक, गांव-गांव किसानों तक पराली प्रबंधन का संदेश पहुंचाने के निर्देश



तथा उपलब्ध कृषि यंत्रों एवं वैज्ञानिक तरीकों से फसल अवशेषों का प्रबंधन करें।

उन्होंने बताया कि पराली न जलाने वाले पात्र किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रति एकड़ 1200 रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों से कहा कि इस योजना की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जाए, ताकि किसान पराली जलाने के बजाय उसके उचित प्रबंधन को अपनाने के लिए प्रेरित हों। उन्होंने गांवों में जागरूकता गतिविधियां चलाने और किसानों को पराली प्रबंधन के उपलब्ध विकल्पों की जानकारी देने पर विशेष जोर दिया।

बैठक में बताया गया कि पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए निर्धारित नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है। इसके अतिरिक्त नियमानुसार संबंधित कृषि अभिलेखों में भी कार्रवाई की जा सकती है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसानों को दंडात्मक

कार्रवाई से बचने के लिए पराली जलाने के बजाय उसका उचित प्रबंधन करना चाहिए। कार्रवाई संबंधित प्रावधानों एवं लागू नियमों के अनुसार की जाएगी।

बैठक में पराली प्रबंधन के विभिन्न उपायों की जानकारी देते हुए बताया गया कि किसान खेत से बाहर पराली का उपयोग करने के लिए एक्स-सीटू प्रबंधन अपना सकते हैं। इसके तहत पराली को खेत में डंडलर या बेलर मशीन की सहायता से एकत्र कर गांठें बनाई जा सकती हैं। इसके बाद पराली को उपयोगी स्थानों तक पहुंचाकर विभिन्न कार्यों में इस्तेमाल किया जा सकता है। किसान पराली को रास्तों पर एकत्र करने के बजाय निर्धारित स्थानों पर सुरक्षित ढंग से रखकर उसके उचित उपयोग की व्यवस्था करें। इसके अलावा पराली का उपयोग गोशालाओं, कंपोस्ट इकाइयों तथा अन्य उपयोगी कार्यों में भी किया जा सकता है।

वहीं, इन-सीटू प्रबंधन के तहत पराली को खेत में ही मिट्टी में मिलाकर उसका उपयोग किया

जाता है। इसके लिए सुपर सीडर जैसी कृषि मशीनों की सहायता से पराली के बीच ही गेहूं की बिजाई की जा सकती है। इसके अलावा स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम युक्त कंबाइन हार्वेस्टर से फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन किया जा सकता है। पराली को खेत में मिलाने से जैविक पदार्थों की मात्रा बढ़ाने और मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने में सहायता मिलती है।

अतिरिक्त उपायुक्त ने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों, सरपंचों और ग्राम सचिवों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों के साथ संवाद करें और उन्हें पराली प्रबंधन के लाभों के बारे में बताएं। किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं, उपलब्ध कृषि यंत्रों और फसल अवशेषों के वैकल्पिक उपयोग के बारे में जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि पराली प्रबंधन में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण है, इसलिए किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ गांवों में पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए भी सक्रिय सहयोग दें।

उन्होंने किसानों से अपील की कि वे पराली न जलाकर मिट्टी की उर्वरता बचाएं, प्रदूषण कम करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने में अपना योगदान दें। पराली प्रबंधन से संबंधित जानकारी और सहायता के लिए किसान हेल्पलाइन नंबर 1800-180-1663 पर संपर्क कर सकते हैं।

समाधान शिविर की लंबित शिकायतों का मंगलवार तक करें समाधान : डीसी राहुल नरवाल

पैगाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)

उपायुक्त राहुल नरवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आने वाली नागरिकों को शिकायतों का कम से

● शिकायतों के निपटारे में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं, अधिकारियों को एक्शन टेकन रिपोर्ट भेजने के निर्देश

कम समय में समाधान सुनिश्चित किया जाए। जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर में विलंब नहीं होना चाहिए। सभी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटारे हुए नागरिकों को राहत प्रदान की जाए, ताकि उन्हें सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।

उपायुक्त राहुल नरवाल शुक्रवार को जिला सचिवालय परिसर स्थित वीसी सभागार में आयोजित समाधान प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन, एसडीएम विकास यादव, सीटीएम हिमांशु चौहान, डीएसपी विनोद



शंकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक से पहले मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिलावार समाधान प्रकोष्ठ की समीक्षा की और अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने समाधान शिविर में प्राप्त एवं लंबित शिकायतों की एक-एक करके समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से शिकायतों की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि सभी लंबित शिकायतों का मंगलवार तक समाधान करना सुनिश्चित करें। साथ ही, शिकायतों को गैर कार्रवाई की रिपोर्ट भी निर्धारित समय सीमा में भिजवाई जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए और यह सुनिश्चित किया

जाए कि शिकायतकर्ता को समयबद्ध तरीके से राहत मिले।

डीसी राहुल नरवाल ने कहा कि समाधान शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना है। इसलिए सभी अधिकारी शिकायतों को केवल औपचारिकता के रूप में न लें, बल्कि उनकी गंभीरता को समझते हुए आवश्यक कार्रवाई करें।

जिन मामलों में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की आवश्यकता है, उनमें आपसी तालमेल से समाधान किया जाए। अधिकारियों को शिकायतों के निपटारे में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। उपायुक्त ने धान खरीद व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित नमी के मानकों पर खरा

उतरे वाले धान की खरीद तुरंत सुनिश्चित की जाए। मंडियों में धान लेकर पहुंचने वाले किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। खरीद प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हो और किसानों की फसल की खरीद निर्धारित नियमों के अनुसार समय पर की जाए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा मंडियों में खरीद प्रक्रिया सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध निपटारा और किसानों की फसल की सुचारू खरीद जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सभी संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें, ताकि आमजन को प्रशासनिक सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके।

इस दौरान डीडीपीओ संदीप भारद्वाज, डीआओ राजकुमार, बीडीपीओ अशोक मेहरा, राजसिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीआईए-3 की बड़ी कार्रवाई, घर से सोने के आभूषण चोरी करने के मामले में दो आरोपी काबू, एक नाबालिग अभिरक्षा में

पैगाम-ऐ-जगत/करनल
9 अक्टूबर, (प्रवीण वालिया)

जिला पुलिस करनल द्वारा पुलिस अधीक्षक करनल श्री करन गायल, आईपीएस के कुशल मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में चोरी की वारदातों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में सीआईए-3 की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए घर से सोने के आभूषण चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को काबू किया है तथा एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है। पुलिस टीम ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए 30 तोले सोने के आभूषण बरामद करने में सफलता हासिल की है।

डीएसपी शहर श्री राजीव कुमार.एचपीएस ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि गांव उपली निवासी जसपाल सिंह पुत्र जसवंत सिंह ने थाना घरौंडा में शिकायत देकर अपने घर से सोने के आभूषण चोरी होने की सूचना दी थी। घर से कीमती सोने के आभूषण चोरी होने की शिकायत की गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और चोरी

पैगाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हांसी में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज एवं करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. नेहा धवन, राष्ट्रीय सलाहकार सदस्य, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के प्रधानाचार्य श्री भूप सिंह जी ने की। इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य श्री ज्ञान, कौशल और रचनात्मक सोच के माध्यम से समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति, कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। साथ ही, भारत सरकार एवं हरियाणा सरकार द्वारा युवाओं के नवाचार संबंधी विचारों को प्रोत्साहित करने, उन्हें मार्गदर्शन उपलब्ध करवाने तथा उनके विचारों

को व्यावहारिक स्वरूप देने के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं एवं पहलों की जानकारी दी। डॉ. नेहा धवन ने विद्यार्थियों को सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज के माध्यम से अपने नए विचारों, तकनीकी समाधानों एवं रचनात्मक परियोजनाओं को आगे लाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के छोटे-छोटे विचार भी भविष्य में बड़े बदलाव का आधार बन सकते हैं। उन्होंने करियर काउंसलिंग सत्र के दौरान विद्यार्थियों को अपने कौशल, रुचि एवं योग्यता के अनुरूप करियर का चयन करने तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

संस्थान के प्रधानाचार्य श्री भूप सिंह जी ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आत्मविश्वास एवं उद्यमशीलता की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने तकनीकी प्रशिक्षण का उपयोग नए विचारों को विकसित करने तथा समाज की समस्याओं के समाधान के लिए पहलों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जगनणना की प्रक्रिया से भली-भांति परिचित करवाना तथा उन्हें सॉपे जाने वाले कार्यों के लिए तैयार करना है। सभी अधिकारी इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को पूरी जिम्मेदारी, तत्परता और समन्वय के साथ संपन्न करवाना सुनिश्चित करें, ताकि जगनणना से संबंधित कार्य निर्धारित समय-सीमा में प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जन्मगणना-2027 के द्वितीय चरण के लिए 15 व 16 अक्टूबर को होगा अधिकारियों का प्रशिक्षण

एसडीएम एवं नोडल जनगणना अधिकारी राजेश खोथ ने संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

पैगाम-ऐ-जगत
हांसी (दिनकर गावड़ी)

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को गति देने के लिए एसडीएम एवं नोडल जनगणना अधिकारी राजेश खोथ ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक की।

बैठक में जनगणना कार्य की तैयारियों की समीक्षा की गई और इसके सुचारू संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि जनगणना कार्य से संबंधित अधिकारियों एवं तकनीकी सहायकों के लिए 15 व 16 अक्टूबर को पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह, हांसी में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सुबह 10 बजे से आयोजित किया जाएगा।

एसडीएम राजेश खोथ ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। इसे निर्धारित दिशा-निर्देशों



के अनुसार सुचारू एवं प्रभावी ढंग से संपन्न करवाने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षित होना आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना की प्रक्रिया, कार्यप्रणाली, संबंधित अधिकारियों के दायित्वों तथा अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित तिथि पर प्रशिक्षण शिविर में अनिवार्य रूप से भाग लें और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की

उपस्थिति भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करना सभी संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है, ताकि जनगणना कार्य के दौरान किसी प्रकार की परेशानी उत्पन्न न हो और सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सही ढंग से कर सकें। एसडीएम ने कहा कि जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी

समन्वय एवं सहयोग के साथ कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण के दौरान दी जाने वाली जानकारी को गंभीरता से समझें और जनगणना से संबंधित गतिविधियों को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप आगे बढ़ाएं।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना की प्रक्रिया से भली-भांति परिचित करवाना तथा उन्हें सॉपे जाने वाले कार्यों के लिए तैयार करना है। सभी अधिकारी इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को पूरी जिम्मेदारी, तत्परता और समन्वय के साथ संपन्न करवाना सुनिश्चित करें, ताकि जनगणना से संबंधित कार्य निर्धारित समय-सीमा में प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बसदेहड़ा स्कूल ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत निकाली जागरूकता रैली, नशा मुक्त समाज का दिया संदेश



उना, 9 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत)

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय, उना द्वारा पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बसदेहड़ा में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने नशे के दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक करने और नशा मुक्त समाज के निर्माण का संदेश

दिया। जिला कल्याण अधिकारी ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना, नशे के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में नशा मुक्त जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है।

उन्होंने कहा कि रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने आमजन को संदेश दिया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और भविष्य

पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। युवाओं को अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेलकूद, रचनात्मक गतिविधियों और सकारात्मक कार्यों में लगानी चाहिए, ताकि वे स्वस्थ, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हो सकें।

इस अवसर पर बसदेहड़ा स्कूल के प्रिंसिपल अमरदीप सिंह, जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय से अधीक्षक अनूप सिंह सहित स्कूली स्टाफ भी मौजूद रहा।

पार प्रतिकूल प्रभाव डालता है। युवाओं को अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेलकूद, रचनात्मक गतिविधियों और सकारात्मक कार्यों में लगानी चाहिए, ताकि वे स्वस्थ, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हो सकें। इस अवसर पर बसदेहड़ा स्कूल के प्रिंसिपल अमरदीप सिंह, जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय से अधीक्षक अनूप सिंह सहित स्कूली स्टाफ भी मौजूद रहा।

सादगी से मनाया मुकेश अग्निहोत्री ने जन्मदिन, देशभर से मिली शुभकामनाएं

गौसेवा से की दिन की शुरुआत, गोंदपुर बुल्ला के सामुदायिक पार्क में लोगों के साथ काटा केक

हरोली/ऊना, 9 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत) उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन सादगी के साथ मनाया। इस अवसर पर गोंदपुर बुल्ला के सामुदायिक पार्क में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उन्हें मुख्यमंत्री की शुभकामनाएं देने पहुंचे। मुकेश अग्निहोत्री ने स्थानीय लोगों के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया। दिनभर क्षेत्रवासियों, पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और शुभचिंतकों का बधाई देने के लिए पहुंचने का सिलसिला जारी रहा।

मुकेश अग्निहोत्री ने जन्मदिन की शुरुआत जखेवाल स्थित सिद्ध बाबा बालकनाथ गोशाला में गौसेवा के साथ की। उन्होंने गोमाता को चारा खिलाया और संत बाबा दांगू वाले अनूप जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। जन्मदिन के अवसर पर गोंदपुर बुल्ला के सामुदायिक पार्क में स्थानीय युवाओं की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया। उप मुख्यमंत्री ने सामाजिक सरोकार और सेवा भाव से जुड़े इस प्रयास के लिए युवाओं की सराहना की। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री को



जन्मदिन पर देशभर से शुभकामनाएं मिलीं। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद सिंह सुक्खू ने फोन कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी फोन कर मुकेश अग्निहोत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, मंत्रिमंडल के सहयोगियों तथा विभिन्न राज्यों के राजनीतिक नेताओं, जनप्रतिनिधियों और समाज के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़ी प्रमुख हस्तियों ने भी फोन कर उन्हें बधाई दी।

इसके अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, समर्थकों और शुभचिंतकों ने फोन कॉल तथा सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें शुभकामनाएं संदेश भेजे। मुकेश अग्निहोत्री ने जन्मदिन पर मिले स्नेह और शुभकामनाओं के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर धर्मशाल महंता स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बालिकाओं के अधिकारों, साइबर सुरक्षा और निःशुल्क कानूनी सहायता के प्रति किया जागरूक

ऊना, 9 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऊना द्वारा अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य पर विकास खंड अंब के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, धर्मशाल महंता में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऊना की सचिव शिखा लखनपाल ने विशेष रूप से शिरकत की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को बालिकाओं के कानूनी अधिकारों, शिक्षा, सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा निःशुल्क कानूनी सहायता की उपलब्धता के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान विद्यार्थियों को बालिकाओं के अधिकारों की जानकारी देते हुए उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी प्रकार



के शोषण अथवा साइबर अपराध की स्थिति में उचित कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। सचिव शिखा लखनपाल ने बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए बालिकाओं को समान अवसर प्रदान करना तथा उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों

को साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने और डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित एवं जिम्मेदारी से उपयोग करने के लिए भी जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने से संबंधित प्रावधानों की जानकारी भी साझा की गई। साथ ही, बालिकाओं के सम्मान, समानता, सुरक्षित वातावरण और सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया।

पालकवाह एसडीआरएफ परिसर को राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रयास करेंगे : मुकेश अग्निहोत्री

हरोली, 9 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत) उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शुक्रवार को पालकवाह स्थित हिमाचल प्रदेश सेंटर ऑफ डिजास्टर प्रिपेयडनेस एंड रेजिलिएंस में हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की पहली वार्षिक मीट-2026 में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में पालकवाह स्थित इस संस्थान की अपनी अलग पहचान होगी। प्रदेश सरकार इसके परिसर के विकास और विस्तार के लिए हर्ससंभव आर्थिक सहयोग प्रदान करेगी। प्रयास किए जाएंगे कि यह परिसर भविष्य में राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित हो और देश के अन्य राज्यों से भी जवान यहां प्रशिक्षण लेने आए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण सुविधाओं को बेहतर बनाने के साथ यहां राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम और परेड आयोजित करने की दिशा में भी काम किया जाना चाहिए।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि एसडीआरएफ परिसर में इंडोर स्टेडियम बनाने की योजना है। इसके साथ ही स्थानीय पंचायत के सहयोग से खेल मैदान विकसित करने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे, ताकि युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि एसडीआरएफ के

- एचपी एसडीआरएफ की पहली वार्षिक मीट आयोजित, इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम और आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ, मणिमहेश यात्रा पर बनी डॉक्यूमेंट्री का विमोचन



जवान आपदा के समय प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों में लोगों की सहायता के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों के साथ बेहतर तालमेल बनाना और उन्हें आपदा प्रबंधन से जुड़ी गतिविधियों में सहभागी बनाना जरूरी है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे भी बचाव कार्यों में सहयोग कर सकें।

उप मुख्यमंत्री ने एसडीआरएफ अधिकारियों से कहा कि युवाओं को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देने के साथ उनके प्रशिक्षण प्रमाणपत्रों को उपयोगी बनाने की दिशा में भी काम किया जाए। इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया जाए, ताकि एसडीआरएफ से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं के प्रमाणपत्रों को एनसीसी और एनएसएस की तर्ज पर मान्यता दिलाने में भी सहायता करने वाले आम नागरिकों को सम्मानित किया गया।

द्वारा प्रस्तुत आपदा बचाव के प्रदर्शन देखे। उन्होंने वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। रस्साकशी का फाइनल मुकाबला हरोली एसडीआरएफ और शिमला एनडीआरएफ की टीमों के बीच हुआ, जिसमें शिमला की टीम विजेता रही।

हर वर्ष डेढ़ लाख से अधिक लोगों को दिया जा रहा आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण कमांडेंट जनरल होमगार्ड, सिविल डिफेंस एवं एसडीआरएफ सतर्क अस्थाल ने आपदा तैयारियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रदेश में हर वर्ष डेढ़ लाख से अधिक लोगों को आपदा से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से लोगों को आपात परिस्थितियों में सुरक्षित रहने, बचाव कार्यों में सहयोग करने और आवश्यक कदम उठाने के लिए तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम में बच्चों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर महासचिव प्रदेश कांग्रेस कमेट्री रणजीत राणा, अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेट्री हरोली संदीप अग्निहोत्री, डिप्टी कमांडेंट जनरल होमगार्ड अरविंद पराशर, एसएसपी एसडीआरएफ अर्जुन सेन, एसपी ऊना सहितन हौरिमठ, कमांडेंट होमगार्ड हितेश लखनपाल सहित एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के अधिकारी तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान एसडीआरएफ के इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम और आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही मणिमहेश यात्रा के दौरान एसडीआरएफ की गतिविधियों और बचाव कार्यों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का विमोचन भी किया गया। आपदा के दौरान लोगों की जान बचाने और राहत-बचाव अभियानों में एसडीआरएफ की सहायता करने वाले आम नागरिकों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने एसडीआरएफ की ओर से प्रदर्शित उपकरणों का अवलोकन किया और जवानों एवं प्रशिक्षकों



सत्य, सेवा, प्रेम, करुणा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम समाज में आपसी भाईचारे, सद्भाव और एकता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। हमें अपने जीवन में अच्छे विचारों को अपनाने हुए समाज की भलाई के लिए कार्य

करना चाहिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं हमारी विरासत हैं और इन्हें आगे बढ़ाने में धार्मिक संस्थाओं तथा श्रद्धालुओं का योगदान सराहनीय है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़ने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर पंडित श्याम सुंदर, डीएसपी कुलभूषण शर्मा, एसएचओ सिटी अनिल कुमार, एसएचओ मॉडल टाउन बलजिंदर महली, दिलबाग सिंह सिद्धू (प्रधान), वरिंदर दत्त वैद, सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर संजीव कुमार, परवीन गुप्ता, विकास शर्मा, गोविंद और अश्वनी कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

समूर कला ऑब्जर्वेशन होम और बंगढ़ में विशेष शिविर आयोजित, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक कल्याण एवं कानूनी अधिकारों के प्रति किया जागरूक

ऊना, 9 अक्टूबर (पैगाम-ऐ-जगत) विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऊना ने स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से बंगढ़ स्थित जिला जेल तथा समूर कला स्थित ऑब्जर्वेशन होम-कम-प्लेस ऑफ सेफ्टी में विशेष मानसिक स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कैदियों एवं ऑब्जर्वेशन होम में रह रहे किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना तथा उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य एवं कानूनी सेवाओं के प्रति जागरूक करना था।

इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऊना की सचिव शिखा लखनपाल ने बंगढ़ स्थित जिला जेल का दौरा किया और वहां बंद कैदियों से संवाद किया। उन्होंने कैदियों के

कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन तथा कानूनी सेवाओं तक उनकी पहुंच से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। साथ ही, उन्हें मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए अपने भावनात्मक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया।

इसके बाद सचिव शिखा लखनपाल ने समूर कला स्थित ऑब्जर्वेशन होम-कम-प्लेस ऑफ सेफ्टी का भी दौरा किया तथा वहां रह रहे किशोरों से बातचीत की। इस दौरान उनके स्वास्थ्य, भावनात्मक आवश्यकताओं, कल्याण एवं समग्र विकास से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। किशोरों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए सकारात्मक सोच अपनाने तथा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उचित मार्गदर्शन एवं सहायता प्राप्त करने के महत्व से अवगत करवाया गया। कार्यक्रम के

तहत स्वास्थ्य विभाग, ऊना के चिकित्सा अधिकारी एवं मनोवैज्ञानिक ने समूर कला स्थित ऑब्जर्वेशन होम में रह रहे किशोरों की स्वास्थ्य जांच की तथा उनकी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं का आकलन किया। वहीं, बंगढ़ स्थित जिला जेल में बंद कैदियों की स्वास्थ्य जांच एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं के आकलन के लिए 11 अक्टूबर को चिकित्सा अधिकारी एवं मनोवैज्ञानिक के दौरे का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, जरूरतमंद व्यक्तियों की भावनात्मक आवश्यकताओं को समझना तथा उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं और कानूनी सहायता उपलब्ध करवाने में सहयोग करना है।

शिक्षा सचिव प्रेरणा पुरी ने जीसीई-20 में आईसीटी कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र की शोभा बढ़ाई

पैगाम-ऐ-जगत चंडीगढ़ (हरमिंदर नागपाल) प्रथम वर्ष के बी.एड. विद्यार्थियों के लिए 5 से 9 अक्टूबर, 2026 तक राजकीय शिक्षा महाविद्यालय, सेक्टर 20-डी, चंडीगढ़ में आयोजित पांच दिवसीय आईसीटी कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला का आज समापन हुआ। समापन सत्र में चंडीगढ़ प्रशासन की शिक्षा सचिव सुश्री प्रेरणा पुरी, आईएस, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर चंडीगढ़ में श्री सत्य साई विद्या वाहिनी की प्रतिनिधि एवं राज्य समन्वयक (हरियाणा) सुश्री प्रिया टंडन भी उपस्थित रहीं। उन्होंने कार्यशाला के समन्वय और सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भावी शिक्षकों की डिजिटल दक्षताओं को सुदृढ़ करने तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी के प्रभावी समावेशन के लिए उन्हें तैयार करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन श्री सत्य साई विद्या वाहिनी, प्रशांति निलयम, आंध्र प्रदेश के सहयोग से किया गया।



मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए राजकीय शिक्षा महाविद्यालय, चंडीगढ़ की प्राचार्या डॉ. सपना नंदा ने कार्यशाला से जुड़े गणमान्य अतिथियों, संसाधन

इन्क के साथ श्री सत्य साई संगठन, चंडीगढ़ के स्वयंसेवक शालिनी जटाना, रुचि धीर और गजेंद्र सिंह ने भी सहयोग दिया।

समापन दिवस पर विद्यार्थियों ने कार्यशाला के संबंध में अपनी प्रतिक्रियाएं भी साझा कीं। उन्होंने प्रशिक्षण को व्यावहारिक प्रकृति की सराहना करते हुए कहा कि इन सत्रों से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में डिजिटल उपकरणों, मल्टीमीडिया संसाधनों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग को लेकर उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। महाविद्यालय स्तर पर इस कार्यशाला का समन्वय राजकीय शिक्षा महाविद्यालय, चंडीगढ़ के ICT विभाग की डॉ. सुमन खोखर ने प्राचार्या डॉ. सपना नंदा के मार्गदर्शन में किया। उनके प्रयासों से पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रभावी समन्वय एवं सुचारु संचालन सुनिश्चित हुआ।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसे डीन डॉ. ए.के. श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि, श्री सत्य साई विद्या वाहिनी के प्रतिनिधियों एवं संस्थान व्यक्तियों, महाविद्यालय प्रशासन, स्वयंसेवकों तथा सभी प्रतिभागियों के प्रति कार्यशाला के सफल आयोजन में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसे डीन डॉ. ए.के. श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि, श्री सत्य साई विद्या वाहिनी के प्रतिनिधियों एवं संस्थान व्यक्तियों, महाविद्यालय प्रशासन, स्वयंसेवकों तथा सभी प्रतिभागियों के प्रति कार्यशाला के सफल आयोजन में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

कॉर्नियल अंधेपन से पीड़ित मरीजों के लिए 17 अक्टूबर को सी. एच. सी. बिनेवाल में लगेगा निःशुल्क जांच शिविर

पैगाम-ऐ-जगत होशियारपुर/दलजीत अजनोहा रोटी आई बैंक एवं कॉर्नियल ट्रांसप्लंटेशन सोसाइटी द्वारा 17 अक्टूबर को ग्रा.एच. बिनेवाल, गढ़शंकर में विशेष नेत्र जांच कैंप लगाया जाएगा। कैंप की तैयारियों को लेकर सिविल सर्जन, होशियारपुर के साथ बैठक कर आवश्यक प्रबंधों पर चर्चा की गई। कैंप में कॉर्निया से संबंधित मरीजों के साथ-साथ मोतियाबिंद के मरीजों की भी जांच की जाएगी। मरीजों की जांच सिविल अस्पताल होशियारपुर के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. परमिंदर कौर व उनकी टीम द्वारा की जाएगी। जांच के बाद जरूरतमंद मरीजों को उचित चिकित्सकीय परामर्श एवं औषधि उपचार के लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा। इस अवसर पर सिविल सर्जन डा. मंदीप कमल ने कैंप के आयोजन को महत्वपूर्ण पहलू बताते



हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य कैंपों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनके नजदीक ही विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होती हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की ओर से कैंप के सफल आयोजन के लिए आवश्यक सहयोग एवं प्रबंध सुनिश्चित करने की बात कही।

रोटी आई बैंक एवं कॉर्नियल ट्रांसप्लंटेशन सोसाइटी के प्रधान जे.बी. बहल ने कहा कि संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक नेत्र जांच और उपचार की सुविधाएं

इस अवसर पर सचिव प्रो. दलजीत सिंह ने बताया कि शिविर में मरीजों की जांच के बाद जिन मरीजों को कॉर्नियल ट्रांसप्लंट की आवश्यकता होगी, उन्हें आगे के उपचार की प्रक्रिया के संबंध में उचित जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कॉर्निया संबंधी समस्याओं के कारण दृष्टिबाधित लोगों की मदद करना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि जांच के आखिरी परेशानी है या लंबे समय से आंखों की जांच नहीं करवाई है, वे 17 अक्टूबर को सी. एच. सी बिनेवाल पहुंचकर कैंप का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि आंखों की बीमारियों की समय पर पहचान और जांच से मरीजों को उचित उपचार दिलाने में मदद मिलती है। संस्था भविष्य में भी ऐसे जनसेवा के कार्य जारी रखेगी।

विधायक ज़िम्मा ने मेगा पीटीएम पर सरकारी स्कूलों को स्कूल बैग, स्टेशनरी और स्वच्छ पेयजल की सुविधाएं करवाई उपलब्ध



पैगाम-ऐ-जगत होशियारपुर (दलजीत अजनोहा) मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के तहत मेगा परेंट्स-टीचर मीटिंग के अवसर पर विधायक ब्रम शंकर ज़िम्मा ने होशियारपुर के विभिन्न सरकारी स्कूलों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उषा मार्टिन के सहयोग से कॉर्पोरेट सोशल रिसपॉन्सिबिलिटी फंड के माध्यम से विद्यार्थियों को स्कूल बैग, कपियां और अन्य स्टेशनरी वितरित की। इसके साथ ही स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल की सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई गईं।

इस अभियान के तहत सबसे पहले सरकारी एलिमेंट्री स्कूल बहादुरपुर और सरकारी मिडिल स्कूल बहादुरपुर का दौरा किया गया। यहां सरकारी मिडिल स्कूल के 106 और सरकारी एलिमेंट्री स्कूल के 225 विद्यार्थियों को स्कूल बैग एवं स्टेशनरी वितरित की गईं। इसके अतिरिक्त सरकारी मिडिल स्कूल बहादुरपुर को वाटर कूलर और आरओ वाटर यूनिफायर भी

भेंट किया गया, ताकि विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर विधायक ब्रम शंकर ज़िम्मा ने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर बेहतर बनाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना भी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मेगा पीटीएम अभिभावकों और शिक्षकों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए सरकार, स्कूल प्रबंधन, अभिभावकों और सामाजिक संस्थाओं का सहयोग महत्वपूर्ण है। निजी संस्थाओं के सोएसआर सहयोग से स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने में भी मदद मिलती है। इस अवसर पर नगर निगम होशियारपुर के मेयर परवीन सेनी, कुलविंदर सिंह हुदल, जिला इंजीनियर एजुकेशन कृष्ण गोपाल और वरिंदर वैद सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

वलर्क की लिखित परीक्षा के मद्देनजर परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर पाबंदी

पैगाम-ऐ-जगत/होशियारपुर (दलजीत अजनोहा) जिला मजिस्ट्रेट आशिका जैन ने 11 अक्टूबर को अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड की ओर से क्लर्क के पदों की लिखित परीक्षा को शांतिपूर्ण रूप से संचालित करने के लिए जिला होशियारपुर के चार परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में पांच या इससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर पाबंदी लगाने के आदेश जारी किए हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी इन आदेशों के अनुसार, परीक्षा केंद्रों के आसपास भीड़ एकत्र होने से परीक्षा संचालन में बाधा आने और यातायात प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। जिन परीक्षा केंद्रों के आसपास यह पाबंदी लागू होगी, उनमें गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, डल्लेवाल (डाकघर हरियाणा), ट्रिपल एम स्कूल (ऑफ एक्ससीकेड होशियारपुर टोल प्लाजा के नजदीक, चंडीगढ़ रोड), डीएवी कॉलेज (होशियारपुर सीनियर सेकेंडरी स्कूल (डीएवी कॉलेज परिसर, चंडीगढ़ रोड) और डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, आर्य समाज रोड, होशियारपुर शामिल हैं। जिला मजिस्ट्रेट ने स्पष्ट किया कि यह आदेश 11 अक्टूबर को लागू रहेगा।



“ਪੈਗਮ-ਏ-ਜਗਤ” ਅਖਬਾਰ ਲਈ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਤੋਂ ਪੱਤਰਕਾਰਾਂ ਦੀ ਲੋੜ।
Mobile : 9878862733, 9872340701

- धार्मिक आयोजन समाज में प्रेम, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने का माध्यम : ब्रम शंकर ज़िम्मा

लिया और आध्यात्मिक विचारों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। विधायक ब्रम शंकर ज़िम्मा ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे धार्मिक आयोजन लोगों को